

Date	Edition	Publication	Page no.
27 th August 2014	Lucknow	Sahyatri	04

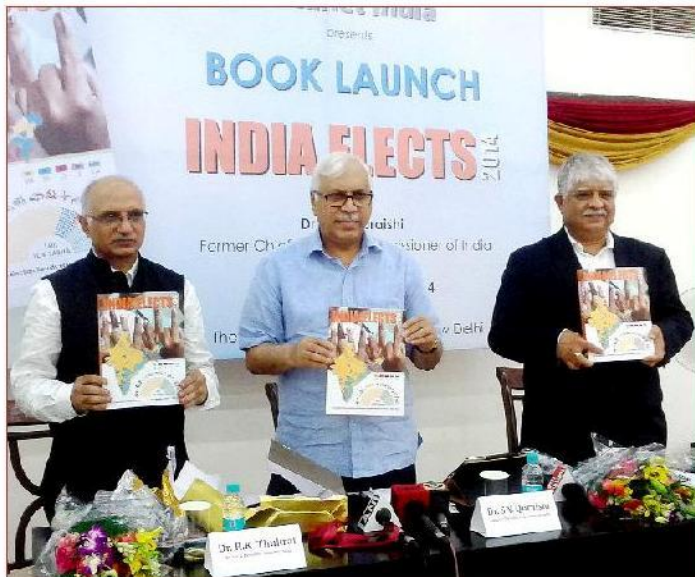
‘इण्डिया इलेक्ट्स-14’ का विमोचन

सहयात्री संवाद

लखनऊ, 26 अगस्त। 2014 के चुनावी आंकड़ों पर एक पुस्तक ‘इंडिया इलेक्ट्स-14 : भारत के आम चुनाव-2009-2014 के नतीजों का तुलनात्मक विश्लेषण’ का विमोचन दिल्ली के कान्स्टीट्यूशन क्लब में किया गया। डाटा नेट की इस पुस्तक में आंकड़े दर्शाते हैं कि कैसे बीजेपी-एनडीए ने-14 में अपने वोट शेयर को आईएनसी-यूपीए के 2009 के वोट शेयर की तुलना में बढ़ाया। तथा बीजेपी-एनडीए के पक्ष में अल्पसंख्यकों के बीच स्विंग एक नई घटना है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने पुस्तक का विमोचन किया। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेषक, डॉ प्रणय राय, कार्यकारी अध्यक्ष, एनडीटीवी ने पुस्तक की प्रस्तावना लिखी है। निदेशक, डाटानेट डॉ आरके ठुकराल ने भूमिका लिखी है। प्रस्तावना में बताया गया है कि भारत के पास दुनिया की सबसे उन्नत इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली है, साथ ही यह अफसोस भी जताया गया है कि अभी तक इसके चुनावों पर बहुत कम मौलिक अनुसंधान हुआ है, यही कारण है कि इंडिया इलेक्ट्स-2014 बेहद महत्वपूर्ण है। विस्तृत डाटा से भरपूर यह पुस्तक 7 अप्रैल से 12 मई, 2014 के

बीच हुए आमचुनावों के नतीजों का विश्लेषण करती है। यह भारत के इतिहास में सबसे लंबे चुनाव और दुनिया में सबसे बड़ा वोटिंग इवेंट था, इसमें अमेरिका के 193.6 मिलियन और यूके के 45.5 मिलियन वोटर्स की तुलना में 814 मिलियन वोटर्स ने भाग लिया। भारत में पहली बार ऐसा हुआ है कि कांग्रेस से इतर किसी दूसरी पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला हुआ है। 30 से अधिक देशों के 140 से अधिक विजिटर्स ने पहली बार शानदार चुनाव प्रणाली को देखा जो कई देशों के लिए एक आदर्श चुनाव प्रणाली के रूप में अपनाने लायक है।



पुस्तक का विमोचन करते पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी।